भूमिका

प्रस्तुत लघुशोध कार्य **महिला बंदियों के परिवार का सामाजिक, आर्थिक स्थिति का अध्ययन: नागपुर मध्यवर्ती कारागृह (वर्धा जिले के विशेष संदर्भ में)** यह हमारा मौलिक कार्य है। इसमें एक महिला अपने परिवार से जेल जैसी जगह जाती है तो उनके परिवार पर सामाजिक, आर्थिक स्थिति का किस तरह से प्रभाव पड़ता है। इसका अध्ययन करने के लिए शोधार्थी द्वारा वर्धा जिले के आरोप सिद्ध महिला कैदियों का चयन किया गया। एक महिला जेल जाती है तो उसके परिवार पर किस तरह से प्रभाव पड़ता है और इनके परिवार को किस तरह सामाजिक, आर्थिक स्थिति की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसमें महिलाओं को जेल जाने से पहले की सामाजिक, आर्थिक स्थिति और जेल जाने के बाद की सामाजिक, आर्थिक पर किस तरह से प्रभाव पड़ता है। एक महिला जब परिवार से अपराध के आरोप में जब कारागृह में कैद हो जाती हैं तब सबसे ज्यादा परिवार के सामाजिक और आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड़ता है और साथ ही महिलाओं के बच्चे भी माँ के प्यार से वंचित होते हैं।

लघु शोध-प्रबंध के प्रथम अध्याय में शोध के परिचय में शोध की समस्या को दर्शाते हुए सैद्धांतिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट किया गया है जिससे शोध को समझने के लिए महत्त्वपूर्ण सहायता मिलती है। मूलभूत अनुसंधान प्रश्न महिला बंदियों के परिवार की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति कैसी है? को जाने के लिए शोध विषय के उद्देश्य को आधार बनाकर अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध गुणात्मक चरित्रों से संपुष्ट होने से अन्वेषणात्मक एवं वर्णनात्मक शोध प्ररचना का उपयोग किया गया है। अध्ययन क्षेत्र के रूप में नागपुर मध्यवर्ती कारागृह से 70 कि.मी दूर पर वर्धा जिले का चयन किया है। प्रतिदर्श चयन में उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्श प्रणाली का प्रयोग किया है। वैयक्तिक अध्ययन, मौखिक इतिहास, गहन साक्षात्कार, साक्षात्कार दिशा-निर्देशिका एवं अवलोकन विधियों द्वारा तथ्यों का संकलन किया गया है।

साथ ही विश्लेषण के लिए विश्लेषणात्मक शोध प्रविधि द्वारा तथ्यों को व्याख्यायित किया है। साहित्य पुनरावलोकन में द्वितीय स्त्रोत से उपलब्ध विषय से संबंधित अध्ययनों का सारांश दिया गया है।

द्वितीय अध्याय के अपराध की अवधारणा उपाध्याय में अपराध को व्याख्यायित करते हुए महिला अपराध को परिभाषित किया है कि सामाजिक मानदंडों, नैतिक मूल्यों एवं राज्य के बनाए गए कानून का उल्लंघन ही अपराध कहलाता है। अपराधी कौन, महिला और पुरुषों की तुलना में विभेद एवं महिला अपराध के कारणों में जैविक, मनोवैज्ञानिक, पारिवारिक, आर्थिक, भौगोलिक एवं सामाजिक की विस्तृत चर्चा की गई है जो महिलाओं को अपराध के रास्ते पर खड़ा करती है। समाज में अपराध को आज भी पाप करने के नजरिये से देखते हैं इसमें महिला अपराध का रास्ता अपनाती है तो समाज का अपराधी महिला एवं उनके परिवार में किस तरह से संबंधों में परिवर्तन आता है। महिला कैदियों के समाज में देखने का नजरियाँ, महिला कैदियों के परिवार की सामाजिक स्थिति, आर्थिक स्थिति इस अध्याय में यह देखा गया है कि महिला के जेल जाने के बाद उनके परिवार पर किस तरह से सामाजिक, आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड़ा है।

तृतीय अध्याय में घटना अध्ययन पर कार्य किया गया जिसमें महिला कैदी और उनके परिवार की जानकारी हासिल की गई और महिला कैदियों की जेल जाने के पहले कौनसी दिनचर्या थी और कौनसा काम करती थी साथ ही परिवार से महिला जेल जाने के बाद इस परिवार पर कितना असर पड़ा चाहे वो सामाजिक या आर्थिक हो इन सारी चीजों को इस अध्याय में देखा गया है।

अंत में घटना अध्ययन का विश्लेषण और साथ ही उपसंहार और निष्कर्ष, संदर्भ ग्रन्थ सूची और परिशिष्ट को भी दिया गया।